संख्या- 23/2019/722/12-3-2019-100(41)/2017टी.सी.

प्रेषक

डा0 राम चन्द्र शुक्ल,
अनु सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

कृषि निदेशक,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कृषि अनुभाग-3 **लखनऊ:: दिनांक: 17 जुलाई, 2019**

विषय:- नेशनल मिशन फॉर सस्टेनबल एग्रीकल्चर योजना के अन्तर्गत रेनफेड एरिया डेवलपमेंट कार्यक्रम हेतु वित्तीय वर्ष 2019-20 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-83 में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-भू.सं./लेखा/आर0ए0डी0-83/वित्तीय स्वीकृति/2019-20/39-डी, दिनांक 07.06.2019 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष-2019-20 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-83 में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष नेशनल मिशन फार सस्टेनबल एग्रीकल्चर के अन्तर्गत संचालित रेनफेड एरिया डेवलपमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत रू0-188.52 लाख (रू0 एक करोड़ अट्ठासी लाख बावन हजार मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

धनराशि लाख रू0 में

अनुदान सं0/लेखाशीर्षक	मानक मद	बजट प्राविधान एन0एम0एस0ए0	आर0ए0डी0 योजना हेतु मात्राकृत धनराशि	प्रस्तावित धनराशि
अनुदान सं0-83 के लेखाशीर्षक-2402-मृदा तथा जल संरक्षण 789-अनुसचित जाति के लिए विशेष घटक योजना 01-केन्द्र प्रायोजित योजनायें 0101-नेशनल मिशन फार सस्टेनेबल एग्रीकल्चर योजना (रेनफेड एरिया डेवलपमेन्ट) स्पेशल कम्पोनेन्ट	08-कार्यालय व्यय	7.00	6.00	1.00
	11-लेखन सामग्री	13.00	12.00	1.00
	15-मोटरगाड़ी	23.00	22.00	4.52
	27-सब्सिडी	1713.02	1090.00	180.00
	42-अन्य व्यय	951.74	5.00	0
	44-प्रशिक्षण	93.39	12.50	1.00
	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण	10.00	10.00	1.00
	योग	2811.15	1157.50	188.52

(रू0 एक करोड़ अट्ठासी लाख बावन हजार मात्र)

2- स्वीकृत धनराशि का आहरण नियमानुसार किया जाएगा तथा पूर्व में उक्त लेखाशीर्षक/मानकमद के अन्तर्गत निर्गत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराने के उपरांत ही प्रश्नगत धनराशि व्यय की जाएगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरित/व्यय करने के पूर्व अपने स्तर से यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत सरकार की गाइड लाइन्स के अनुसार प्रश्नगत योजना की कार्ययोजना पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त है तथा इसकी धनराशि आहरित/व्यय करने हेतु अधिकृत है।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय करने से पूर्व केन्द्रांश की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने का पूर्ण उत्तरदायित्व कृषि निदेशक, उ0प्र0 लखनऊ का होगा। इस सम्बन्ध में राज्य सरकार द्वारा वस्तुओं के क्रय विषयक दिशा-निर्देशों, सुसंगत वित्तीय नियमों एव स्टोर परचेज रूल्स का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा सेवाओं के भुगतान से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि आउटसोसिर्इंग के संबंध में जारी निर्देशों एवं वित्त/श्रम विभाग द्वारा जारी सुसंगत नियमों का अनुपालन कर लिया गया है।

4- उक्त स्वीकृत धनराशि का समय पर सदुपयोग एवं उपभोग आगामी समय सारिणी बनाकर सुनिश्चित कराया जाएगा। स्वीकृत धनराशि का आहरण एक मुश्त न करते हुए आवश्यकतानुसार किया जायेगा। प्रस्ताव में उल्लिखित आकड़ों की शुद्धता तथा स्वीकृत धनराशि उपलब्ध बजट प्राविधान की सीमा के अन्तर्गत रहेगी, यह सुनिश्चित करने का दायित्व कृषि निदेशक, उ0प्र0 लखनऊ का होगा।

5- वित्त आय-व्ययक अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-बी-1-2457/दस-2014-231/14, दिनांक 22.7.2014 में निहित शर्तो तथा वित्त आय-व्ययक अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या-बी-2-2528/दस-2014-10-77, दिनांक 26.8.2014 के प्रस्तर-5 एवं 9 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन स्वीकृत की जा रही धनराशि के व्यय करने से पूर्व कड़ाई से सुनिश्चित कराया जायेगा।

6- स्वीकृत की जा रही उक्त धनराशि का उपयेाग नेशनल मिशन फार सस्टेनबल एग्रीकल्चर योजनान्तर्गत वर्ष 2019-20 हेतु आर.ए.डी. की भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना के अन्तर्गत निर्गत दिशा-निर्देशों/गाइड लाइन्स एवं संगत नियमों के अनुसार ही किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय केवल उन्ही मदों पर किया जायेगा जिस मद के लिए धनराशि स्वीकृत की गयी है तथा आय-व्ययक में प्राविधानित है। किसी अन्य भिन्न मद में न ही इसका व्यय किया जायेगा और न ही एक मद से दूसरे मद में इसका व्यावर्तन किया जायेगा। यदि किसी मद में व्यय करने की अनुमति भारत सरकार द्वारा कार्य योजना में प्राप्त न हो तो उसकी सूचना शासन में उपलब्ध करायी जाय। इस सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा टी0एस0पी0/एस0सी0पी0 हेतु निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जायेगा।

7- योजनान्तर्गत व्यय की जाने वाली उक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर त्रैमासिक आधार पर भौतिक/वित्तीय प्रगति सहित शासन/भारत सरकार को उपलब्ध करायी जायेगी। कृषि निदेशक द्वारा द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि उक्त कार्य की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में पुनरावृत्ति/द्विरावृत्ति न हो।

8- स्वीकृत धनराशि संभावित व्यय की फेजिंग, कार्य की प्रकृति एवं अवसर के अनुसार की जाय, जहां तक संभव हो, व्यय की फेजिंग वित्तीय वर्ष की शेष अवधि के लिए प्रतिमाह समान रूप से की जाय। आहरण एवं वितरण अधिकारियों द्वारा कोषागार से धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जाय। यदि विभाग के आहरण एवं वितरण अधिकारी जनपद स्तर पर हैं, तो जनपद स्तर पर व्यय की जाने वाली धनराशियों को संबंधित जनपदों के आहरण एवं वितरण अधिकारी को आवंटित की जाय। ऐसे मामलों में विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त धनराशि का आहरण न किया जाय, क्योंकि धनराशि के एकमुश्त आहरण से राज्य के रोकड़ प्रबंधन (कैश मैनेजमेंट) पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तथा अनावश्यक रूप से बैंकों में खाता खोलकर धनराशि जमा करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। शासन की पूर्वानुमति के बगैर कोई भी धनराशि बैंक खाते में नहीं रखी जाएगी। यदि इस प्रकार का कोई प्रकरण शासन के संज्ञान में आता है तो इसे गम्भीर वित्तीय अनियमितता मानते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है

http://shasanadesh.up.nic.in

9- स्वीकृत की गयी उक्त धनराशि के व्यय पर नियंत्रण के संबंध में शासनादेश संख्या-बी-1-1195/ दस-16/94, दिनांक 06.06.1994 द्वारा निर्गत निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय प्रबंधन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययता के संबंध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का विशेष रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गयी शर्तो की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानकों (स्टेण्डड्स ऑफ फाइनेन्शियल प्रोप्राइटी) का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाय।

10- वित्त लेखा अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-ए-1-285/दस-2012-10(29)/2011टी.सी.-।।, दिनांक 29 मई, 2012 द्वारा समस्त भुगतान **NEFT/RTGS** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिकली लाभाथ्र्ाी के खाते में सीधे क्रेडिट किये जाने के निर्देश दिये गये हैं अत: उक्त स्वीकृत धनराशि का भुगतान तद्नुसार सुनिश्चित किया जाय। भारत सरकार के पत्र संख्या-1-11011/58/2013-डी0बी0टी0 दिनांक 25.2.2015 द्वारा डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर (डी.बी.टी.) के अन्तर्गत नकद धनराशि व्यक्तिगत लाभार्थियों के बैंक खाते में ट्रांसफर किये जाने का निर्देश दिया गया है। अत: स्वीकृत धनराशि का तद्नुसार भुगतान सुनिश्चित किया जाय।

11- कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा जनता के बीच योजनाओं का प्रचार एवं प्रसार सुनिश्चित करेंगे। उक्त योजना का पूरा विवरण वेवसाइट पर उपलब्ध कराया जायेगा। योजना का Impact assessment कराया जायेगा और उसका समुचित फीडबैक दिया जायेगा। योजना के कार्य पूर्ण हो जाने पर योजना की कार्यो की पूर्णता का पूरा विवरण उपलब्ध कराया जाय। लाभार्थियों की सूची विभागीय वेबसाइट पर अपलोड की जाय तथा लाभाार्थियों की सूची एवं उन्हें दिये गये लाभ का रेण्डम आधार पर भौतिक सत्यापन सुनिश्चित कराया जाय। लाभार्थियों की सूची विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कराने हेतु मुख्यालय/जनपद स्तर के संबंधित परियोजना अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

12- उक्त धनराशि का व्यय वित्तीय वर्ष 2019-20 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2402-मृदा तथा जल संरक्षण-102-मृदा संरक्षण-01-केन्द्र प्रायोजित योजनायें-0102-नेशनल मिशन फॉर सस्टेनबल एग्रीकल्चर की योजना रेनफेड एरियो डेवलपमेंट (आर0ए0डी0) के अन्तर्गत उपर्युक्त तालिका में अंकित सुसंगत मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

13- स्वीकृत धनराशि का व्यय सुसंगत वितीय नियमो/प्रक्रिया//क्रय सम्बन्धी नियमों एव प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा तथा इस सम्बन्ध में वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप सं0-1/2018/बी-1-375/दस-2018-231/2018, दिनांक 30.03.2018 एवं यथासंशोधित कार्यालय ज्ञाप सं0-3/2018/बी-1-438/ दस-2018-231/2018, दिनांक 24.04.2018, शासनादेश दिनांक 01.09.2018 तथा कार्यालय ज्ञाप सं0-01/2019/बी-1-170 /दस-2019- 231/2019, दिनांक 22.03.2019 के निर्देशों/प्राविधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपरोक्त शर्तो का उल्लंघन किये जाने पर इसके लिए आप स्वंय उत्तरदायी होंगे।

14- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2017/बी-1-02/दस-2017- 231/2017, दिनांक 02.01.2017 एवं 1/2018/बी-1-375/दस-2018-231/2018, दिनांक 30.03.2018, यथासंशोधित कार्यालय ज्ञाप संख्या-03/2018/बी-1-438 /दस-2018-231/2018, दिनांक 24.04.2018, कार्यालय ज्ञाप सं0-01/2019/बी-1-170 /दस-2019- 231/2019, दिनांक 22.03.2019 द्वारा प्रतिनिधानित अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा0 राम चन्द्र शुक्ल)
अनु सचिव।

सं0- 23/2019/722(1)/12-3-2019-तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार,(लेखा व हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 इलाहाबाद ।
2- महालेखाकार,(लेखा परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 इलाहाबाद।
3- सचिव, भारत सरकार कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली।
4- संयुक्त सचिव, भारत सरकार कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली।
5- अवर सचिव, भारत सरकार कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली।
6- समस्त मण्डलायुक्त को इस आशय से प्रेषित कि उक्त की प्रतियां अपने अधीनस्थ समस्त जिलाधिकारियों को इस निर्देश के साथ कि वे अपने जनपद के समस्त जनप्रतिनिधियों (मा. मंत्रीगण, मा. सांसद, मा. विधायक आदि) को शासनादेश की प्रतियां उपलब्ध कराने का कष्ट करें ताकि जनप्रतिनिधियों द्वारा योजना का लाभ पात्रों को दिलाये जाने में सहयोग किया जा सके।
7- अपर कृषि निदेशक (भू.सं.), उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
8- कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
10- सम्बन्धित परियोजनाधिकारी, कृषि भवन, लखनऊ।
11- वित्त नियंत्रक, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
12- संयुक्त कृषि निदेशक, (शोध एवं मृदा सर्वेक्षण), कृषि भवन, लखनऊ।
13- सहायक निदेशक (कम्प्यूटर एवं समन्वय) कृषि भवन, लखनऊ।
14- वित्त (व्यय नियंत्रण), अनुभाग-1/कृषि अनुभाग-5/नियोजन अनुभाग-3
15- शासनादेश की वेबसाइट http://shasanadesh.up.nic.in पर अपलोड करने हेतु।
16- गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(डा0 राम चन्द्र शुक्ल)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है

http://shasanadesh.up.nic.in